Dr. Madan Paswan, History.
Class: B.A. Part-II (Hons.) P-III.
Topic: Unit-II (c) Muhammad Bin Tughlaq.

Lecture No. 10
Date: 06.11.2020
Continue Lecture ...

मुहम्मद बिन तुगलक ने अपने राज्याभिषेक के समय तक दक्षिण में देवगिरि तथा तेलंगाना पर अधिकार कर लिया और दक्षिणी प्रदेशों को पाँच प्रान्तों में विभक्त कर दिया —
(क) देवगिरि
(ख) तेलंगाना
(ग) माबर
(घ) द्वारसमुद्र तथा
(ङ) कंपिली।

दिल्ली से दक्षिण की दूरी इतनी अधिक थी कि सुल्तान इन प्रांतों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं रख सकता था। अतः दक्षिण के गवर्नर अधिक स्वतंत्र रहे, साथ ही उन्होंने हिन्दू राजाओं के साथ संपर्क बढ़ा लिये।

पुनः मुहम्मद बिन तुगलक की उदारता से प्रभावित होकर मध्य एशिया से आने वाले अनेक व्यक्तियों को सेना तथा प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया। ये विदेशी शासक के सरदार — 'अमीरान-ए-सदा' कहलाते थे।

बरनी के अध्ययन के आधार पर यह ज्ञात होता है कि ये लोग विदेशी अधिकारी थे जिनके नागरिक और सैनिक दोनों कर्तव्य थे और प्रत्येक के अधीन सौ सैनिक थे।

उनसे यह आशा की जाती थी कि वे भूमि कर वसूल करें और प्रजा को शांत रखें। परन्तु विदेशी होने के कारण सुल्तान के प्रति उनकी श्रद्धा एवं निष्ठा की भावना न थी। इनको गुजरात, मालवा तथा दक्षिण में नियुक्त किया गया था।

देशी अमीर उनसे ईर्ष्या रखते थे, इसलिए देशी अमीरों के विरुद्ध सत्ताधिकारियों (अमीरान-ए-सादा) ने स्वयं को संगठित कर लिया।

एहसान शाह के सफल विद्रोह से प्रभावित होकर दक्षिण के हाकिमों तथा स्थानीय हिन्दू शासक भी अपनी स्वतंत्रता के लिए स्वप्न देखने लगे। सुल्तान दक्षिण के विद्रोहों को दबाने में असफल रहा और एक-एक

Continue...

कर दक्षिण के क्षेत्र स्वतंत्र हो गये। इसी क्रम में दक्षिण के बलशाली हिन्दू राज्य विजयनगर और मुस्लिम राज्य बहमनी ने स्वतंत्र सत्ता की स्थापना की।

Continued ...